आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 30.08.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आपदा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में जान–माल की सुरक्षा के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए।
- आपदा प्रभावित रुद्रप्रयाग, चमोली और बागेश्वर जिलों में राहत और बचाव कार्य आज दूसरे दिन भी युद्धस्तर पर जारी।
- ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश में अवरुद्ध सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर खोलने के निर्देश दिए।
- उत्तराखंड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी में आयोजित दीक्षांत समारोह में मध्य प्रदेश के 37 प्रशिक्षणार्थी, वन क्षेत्राधिकारी बने।

मुख्यमंत्री बैठक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में प्रदेश के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने आपदा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों और खतरे की संभावना वाले क्षेत्रों में जान–माल की सुरक्षा के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जाने तथा आपदा प्रभावितों को तत्परता से हरसंभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल बैठक में उत्तराखंड आपदा परिचालन केंद्र से जुड़े शासन के उच्च अधिकारियों और प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों से आपदा प्रभावित इलाकों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अवरुद्ध सड़कों को जल्द खोलने, पानी और बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव को निर्देश दिए कि आपदा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जिलों से की जाने मांग पर तुरंत कार्रवाई करते हुए आवश्यक धनराशि जारी की जाए। उन्होंने नदी–नालों के किनारों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण नहीं होने पर जोर दिया। श्री धामी ने राज्य में अगले कुछ दिनों के लिए मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन तंत्र निरंतर तैयार रहे।

आपदा राहत कार्य

प्रदेश के आपदा प्रभावित रुद्रप्रयाग, चमोली और बागेश्वर जिलों में राहत और बचाव कार्य आज दूसरे दिन भी युद्धस्तर पर जारी हैं। बागेश्वर जिले में कपकोट विकासखंड के पौंसारी गांव में मलबे में दबे एक और शव को आज रेस्क्यू टीम ने बरामद किया। लापता अन्य दो लोगों की तलाश जारी है। बैसानी विद्यालय में बनाए गए आपदा राहत केंद्र से जिलाधिकारी और विधायक लगातार राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। आपदा राहत केंद्र में आपदा प्रभावितों को रहने और भोजन की व्यवस्था की गई है। उधर, रुद्रप्रयाग जिले की बसुकेदार तहसील में अतिवृष्टि से परिसम्पत्तियों को नुकसान हुआ है। जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों में हुई क्षति का त्वरित आकलन कर आख्या उपलब्ध कराने के लिए लघु सिंचाई विभाग रुद्रप्रयाग के अधिशासी अभियन्ता को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। साथ ही विभिन्न स्थानों के लिए अभियंता, राजस्व उपनिरीक्षकों और ग्राम विकास अधिकारियों को सम्मिलित कर विशेष टीमें गठित की गई हैं।

सौरभ बहुगुणा

कैबिनेट मंत्री और रुद्रप्रयाग जिले के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने आज जिले के आपदा प्रभावित स्यूर, बांगर आदि क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन परिवारों के आवास भूस्खलन और मलबे से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित स्थानों पर अस्थाई रूप से शिफ्ट किया जाए। श्री बहुगुणा ने कहा कि यदि कोई प्रभावित परिवार किराए पर आवास लेना चाहता है, तो उसकी व्यवस्था भी प्रशासन सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता प्रभावित लोगों की जान–माल की सुरक्षा है। प्रभारी मंत्री ने संबंधित विभागों और अन्य एजेंसियों को शीघ्र सड़क मार्गों की मरम्मत और वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सांसद थराली निरीक्षण

राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट ने आज चमोली जिले के थराली विधानसभा क्षेत्र के चेपड़ों में आपदा प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। श्री भट्ट ने राहत व बचाव कार्यों की प्रगति का

जायज़ा लिया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावितों तक समयबद्ध तरीके से सहायता पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार, आपदा पीड़ितों के साथ खड़ी है।

ग्राम्य विकास मंत्री

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश में बारिश और भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हुई सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर युद्धस्तर पर खोलने और पुलों के पुनर्निर्माण में तेजी लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने आज देहरादून में उत्तराखंड ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी के अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बारिश से बाधित सड़कों की समीक्षा की। इस दौरान ग्राम्य विकास मंत्री ने मुख्य सचिव से दूरभाष पर वार्ता कर क्षतिग्रस्त और बह चुके पुलों के शीघ्र पुनर्निर्माण के लिए ठोस कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि बारिश के चलते फिलहाल प्रदेशभर में 166 सड़कें अवरुद्ध हैं, जिनमें गढ़वाल मंडल की 142 और कुमाऊं मंडल की 24 सड़कें शामिल हैं। प्रदेश में अब तक कुल सात पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें से दो पुल पूरी तरह बह गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सड़कों और पुलों का बहाली कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। गढ़वाल क्षेत्र में 91 और कुमाऊं क्षेत्र में 13 मशीनों को अवरुद्ध मार्गों को खोलने के कार्यों में लगाया गया है।

पासिंग आउट परेड

उत्तराखंड वानिकी प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी में आज आयोजित दीक्षांत समारोह में मध्य प्रदेश के 37 प्रशिक्षणार्थी, 18 महीने का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद वन क्षेत्राधिकारी बन गए। पासिंग आउट परेड के बाद उन्हें प्रमाण पत्र दिए गए। इस अवसर पर अपर प्रमुख वन संरक्षक, विवेक पांडेय ने कहा कि आने वाले समय में ये वन क्षेत्राधिकारी अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पालन करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।
अकादमी में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद अनीता सूर्यवंशी ने वन क्षेत्राधिकारी बनने पर खुशी जताई।

यातायात समस्या

देहरादून जिला प्रशासन की ओर से यातायात सुधार की कई योजनाओं को धरातल पर उतारने के प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें पार्किंग सुविधाओं और चौराहों के साथ ही ट्रैफिक सिग्नल का विस्तार भी शामिल है। जिले में सड़क सुरक्षा और सुगम यातायात के लिए ग्यारह प्रमुख जंक्शन पर ट्रैफिक लाइट लगाई जा रही

हैं। इसके साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों पर लगे पुलिस के सीसीटीवी कैमरे भी पहली बार स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से इंटीग्रेट करवाए गए हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी सविन बंसल का कहना है कि ट्रैफिक संबंधी समस्या का समाधान बहु नियोजन रणनीति से ही संभव हो सकता है।